(b) Reserveaccretion during the Vlllth Plan period has not been commensurate with the exploratory inputs.

(c) In Hydrocarbon exploration, there is no direct relationship between input and output. The possible reasons for less reserve accretion in recent years could be:

(i) Large & medium sized prospects in geologically similer areas and at shallower depths have possibly been discovered through the current technologies.

(ii) Future discoveries may possibly be in geologically and logistically difficult areas and at deeper depth which require state-of-the-art technologies besides new approach/ strategy towards exploration of such areas.

(iii) The exploratory efforts were hitherto concentrated mainly in 6 petroliferous Cat-I basin with little efforts in other basins;

(d) Following steps are being taken to accelerate the exploration activities:

(i) ONGC/OIL have drawn a recast programme for IX Five Year Plan.

(ii) Opening up of new areas by DGH and National Oil Companies.

(iii) Hiring of expert consultancy services for integrated Basin Modelling.

(iv) Increased participation by private companies in exploration under New Exploration Licensing Policy.

उत्तर प्रदेश में गैस कनैक्शन के लिये प्रतीक्षा सूची

423. **श्री डी.पी. यादव** : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1998 के अंत में देश भर में गैस कनेक्शन लेने के लिये प्रतीक्षा सूची में कुल कितने लोग हैं और उसमें से उत्तर प्रदेश में प्रतीक्षा सूची में दर्ज लोगों की संख्या क्या हैं; और

(ख) उत्तर प्रदेश की प्रतीक्षा सूची कब तक समाप्त होने की संभावना हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार) : (क) 31.12.1998 की स्थिति के अनुसार देश में सा.क्षे. उ. तेल कंपनियों के एल पी जी डिस्ट्रीब्यूटरों के यहां प्रतीक्षा सूची में दर्ज व्यक्तियों की संख्या लगभग 133 लाख थी, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य के 14.11 लाख व्यक्ति सम्मिलित हैं।

(ख) प्रतीक्षा सूची के प्रति नए कनेक्शनों का जारी किया जाना अन्य बातों के साथ-साथ उत्पाद की उपलब्धता, वर्तमान डिस्ट्रीब्यूटरों के पास उपलब्ध स्लेक, हाल ही में स्थापित की गई डिस्ट्रीब्यूटरशिपों को बनाए रखने के लिए न्यूनतम आबंटन आदि पर निर्भर करता है। आयात और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से एल पी जी की बढ़ी हुई अनुमानित उपलब्धता से भविष्य में और अधिक कनेक्शन जारी करने की योजना हैं और वर्ष 2000-2001 तक पूरी प्रतीक्षा सूची को निपटा लेने का अनुमान हैं।

Delegation of Powers to District Administration in respect of Petroleum Products

424. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether his Ministry have delegated its powers to district Magistrates in respect of revival, reconstitution, resitement, dual operation of dealership/distributorship of petroleum products;

(b) whether the District administration sometimes harass the Oil Corporation officers by misinterpreting the procedures; and

(c) whether Government would issue circular to State Government not to harass the Oil Corporation officers and should contact State Level Coordinators only in case of getting clarification on some points of disputes to give free hand to the PSU's officers?